सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 26 SEPTEMBER TO 02 OCTOBER 2025 • VOLUME 10 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"अगर जीवन में कांटे न हों, तो सफलता का गुलाब भी अपनी खुशबू खो दे।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	37°	25°
शनिवार	41°	26°
रविवार	41°	25°
सोमवार	38°	25°
मंगलवार	34°	26°
बुधवार	33°	25°
वीरवार	33°	26°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

हमारी सरकार स्वच्छ ऊर्जा मिशन को जन आंदोलन में बदल रही : प्रधानमंत्री

मोदी ने बांसवाड़ा में किया 1,22,100 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में 1,22,100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नवरात्रि के चौथे दिन प्रधानमंत्री ने बांसवाड़ा में माँ त्रिपुरा सुंदरी की पावन धरती पर आने को अपना सौभाग्य कहा। उन्होंने बताया कि उन्हें कांठल और वागड़ की गंगा कही जाने वाली माँ माही के दर्शन करने का भी अवसर मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि माही का जल भारत के जनजातीय समुदायों के लचीलेपन और संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने महायोगी गोविंद गुरु जी के प्रेरक नेतृत्व पर प्रकाश डाला, जिनकी विरासत आज भी गूंजती है और माही का पवित्र जल उस महान गाथा का साक्षी है। मोदी ने माँ त्रिपुरा सुंदरी और माँ माही को नमन किया और भक्ति एवं वीरता की इस भूमि से उन्होंने महाराणा प्रताप और राजा बांसिया भील को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

मोदी ने कहा कि नवरात्रि के दौरान, देश में शक्ति के नौ रूपों की पूजा की जाती है, और बांसवाड़ा में आज का प्रमुख कार्यक्रम ऊर्जा शक्ति - ऊर्जा उत्पादन को समर्पित है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राजस्थान की धरती से भारत के बिजली क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 90,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिजली परियोजनाओं के शुभारंभ की

घोषणा की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इतने बड़े पैमाने पर परियोजनाओं का एक साथ आरंभ होना ऊर्जा क्षेत्र में भारत की तेज़ी से हो रही प्रगति की झलक दिखाता है, जिसमें देश का हर क्षेत्र सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है और सभी राज्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। राजस्थान में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं और पारेषण लाइनों की आधारशिला रखी गई है। मोदी ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया और बांसवाड़ा में राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सौर ऊर्जा से लेकर परमाणु ऊर्जा तक, भारत बिजली उत्पादन क्षमता में नई ऊँचाइयों को छू रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज के तकनीक और उद्योग के युग में, विकास बिजली की शक्ति पर निर्भर करता है; बिजली प्रकाश, गति, प्रगति, संपर्क और वैश्विक पहुँच लाती है।" उन्होंने बिजली के महत्व की उपेक्षा करने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। मोदी ने कहा कि जब 2014 में उनकी सरकार सत्ता में आई थी, तब 2.5 करोड़ घरों में बिजली के कनेक्शन नहीं थे और आज़ादी के 70 साल बाद भी, 18,000 गाँवों में एक भी बिजली का खंभा नहीं लगा था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बड़े शहरों में घंटों बिजली कटौती होती थी और गाँवों में तो 4-5 घंटे बिजली भी महत्वपूर्ण मानी जाती थी। बिजली की अनुपस्थिति ने कारखानों के संचालन और नए उद्योगों की स्थापना में बाधा डाली, जिसका असर राजस्थान जैसे राज्यों और पूरे देश पर पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में उनकी सरकार ने इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि हर गाँव तक बिजली पहुँचाई गई और 2.5 करोड़ घरों को मुफ्त कनेक्शन दिए गए। जहाँ भी बिजली की लाइनें पहुँचीं, वहाँ बिजली पहुँची—जिससे जीवन आसान हुआ और नए उद्योगों का विकास संभव हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी देश को 21वीं सदी में तेज़ी से विकास करने के लिए, अपने बिजली उत्पादन को बढ़ाना होगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सबसे सफल देश वे होंगे जो स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी होंगे। मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना की शुरुआत की घोषणा करते हुए जोर देकर कहा, "हमारी सरकार स्वच्छ ऊर्जा मिशन को एक जन आंदोलन में बदल रही है।"

रक्षा मंत्रालय खरीदेगा 97 एलसीए एमके1ए विमान

एचएएल के साथ किए 62,370 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली. रक्षा मंत्रालय ने 25 सितंबर, 2025 को 62,370 करोड़ रुपये (करों को छोड़कर) से अधिक की लागत से भारतीय वायु सेना के लिए 68 लड़ाकू विमानों और 29 ट्विन सीटर सहित 97 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके1ए और संबंधित उपकरणों की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इन विमानों की डिलीवरी 2027-28 के दौरान शुरू होगी और छह साल की अवधि में पूरी हो जाएगी। विमान में 64 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी, जिसमें जनवरी 2021 में हस्ताक्षरित पिछले एलसीए एमके1ए अनुबंध के अलावा 67 अतिरिक्त आइटम शामिल किए जाएंगे। उत्तम एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (एईएसए) रडार, स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल सरफेस एक्ट्यूएटर्स जैसी उन्नत स्वदेशी रूप से विकसित प्रणालियों का एकीकरण, आत्मनिर्भरता पहल को और

मजबूत करेगा।

इस परियोजना को लगभग 105 भारतीय कंपनियों के एक मजबूत विक्रेता आधार द्वारा समर्थित किया जा रहा है जो विस्तृत घटकों के निर्माण में प्रत्यक्ष रूप से संलग्न हैं। इस उत्पादन से छह वर्षों की अवधि में प्रति वर्ष लगभग 11,750 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जिससे घरेलू एयरोस्पेस इको-सिस्टम को व्यापक बढ़ावा मिलेगा। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 की 'खरीद (भारत-आईडीडीएम)' श्रेणी के अंतर्गत यह अधिग्रहण, स्वदेशीकरण पर सरकार के जोर के अनुरूप है। एलसीए एमके1ए, स्वदेश में डिजाइन और निर्मित लड़ाकू विमान का सबसे उन्नत वर्जन है और भारतीय वायुसेना की परिचालन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक शक्तिशाली प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा।

सोनम वांगचुक की संस्था का विदेशी फंडिग वाला लाइसेंस रद्द

श्रीनगर. केंद्र सरकार ने गुरुवार को सोनम वांगचुक के गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख का एफसीआरए लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया। यह फैसला लद्दाख में हुई हिंसा के बाद लिया गया है जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। गृह मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि लद्दाख के कार्यकर्ता के गैर-लाभकारी संगठन ने विदेशी चंदा नियमों का 'बार-बार' उल्लंघन किया है।

गृह मंत्रालय ने कहा कि वांगचुक के व्यक्तिगत और संयुक्त खातों में धन प्राप्त हुआ जो एफसीआरए 2010 का सीधा उल्लंघन है। इसमें आगे कहा गया है कि उनके एनजीओ को 2021 और 2024 के बीच विदेशों से करोड़ों रुपये मिले

जिससे संभावित मनी लॉन्ड्रिंग की चिंता बढ़ गई क्योंकि ये बाहरी विदेशी धन अज्ञात संस्थाओं को भेजे गए थे।

गृह मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि सोनम वांगचुक खुद को जनता के प्रतिनिधि के रूप में पेश कर रहे हैं लेकिन वित्तीय कदाचार का उनका रिकॉर्ड कुछ और ही बताता है। उनके कार्यों से रचनात्मक संवाद पटरी से उतरने और वास्तविक चिंताओं को निजी और राजनीतिक लाभ के औजार में बदलने का खतरा है। अपने आदेश में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि 59 वर्षीय वांगचुक के नौ निजी बैंक खाते हैं लेकिन उनमें से आठ की घोषणा नहीं की गई। मंत्रालय ने कहा कि इन आठ खातों में से कई में भारी मात्रा में विदेशी धन जमा है। साथ ही, वांगचुक ने 2021 से 2024 के बीच अपने निजी खाते से लगभग 2.3 करोड़ रुपये विदेश भेजे। मंत्रालय ने कहा कि वांगचुक को 2018 से 2024 के बीच विभिन्न खातों में 1.68 करोड़ रुपये का विदेशी धन भी प्राप्त हुआ।

350वें शहादत दिवस को समर्पित समारोहों के लिए लोगो जारी

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस को समर्पित राज्य स्तरीय यादगारी समारोहों के लिए लोगो जारी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य भर में इस महान दिवस को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम तय किए हैं। उन्होंने कहा कि 'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस के पावन अवसर पर पंजाब सरकार की ओर से ऐतिहासिक समारोह आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 25 अक्तूबर को दिल्ली में विशाल कीर्तन दरबार होगा और 25 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब में बड़ा कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि 20 नवंबर से जम्मू, गुरदासपुर, फरीदकोट और तख्त श्री दमदमा साहिब से चार नगर कीर्तन आरंभ किए जाएंगे। ये चारों नगर कीर्तन 22 नवंबर की शाम को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेंगे और इस पवित्र नगरी में 23 से 25 नवंबर तक राज्य सरकार की

ओर से विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से ये ऐतिहासिक समारोह मुख्य रूप से श्री आनंदपुर साहिब की पावन धरा पर आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि श्रृंखलाबद्ध आयोजनों से लोगों को नवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वारा दिखाए धर्मनिरपेक्षता, मानवता और बलिदान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि गुरु साहिब ने धर्म की स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया।

डिप्टी डायरेक्टर सिंगला व उसके परिवार द्वारा बनाई गईं अवैध संपत्तियां ज़ब्त

लुधियाना (जालंधर ब्रीज). पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर राकेश कुमार सिंगला, उसकी पत्नी रचना सिंगला और उसके पुत्र स्वराज सिंगला एवं सिद्धार्थ सिंगला की 8 संपत्तियां और तीन बैंक खाते ज़ब्त किए हैं। यह कार्रवाई उपरोक्त आरोपियों के विरुद्ध चल रहे आपराधिक मामलों में अदालत द्वारा जारी आदेशों के उपरांत अमल में लाई गई है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि विजिलेंस ब्यूरो ने पहले उक्त सिंगला की एक आपराधिक साज़िश में संलिप्तता का पता लगने पर एफ.आई.आर- संख्या 8 दर्ज की थी, जिसका उल्लेख पहले 16 अगस्त, 2022 को दर्ज एफ.आई.आर-संख्या 11 में किया गया था, जिसमें सिंगला पर भ्रष्टाचार और गबन का आरोप लगाया गया था। जांच के दौरान पता चला कि उसने भ्रष्टाचार से प्राप्त धनराशि का उपयोग करके अपने पारिवारिक सदस्यों के नाम पर अवैध तरीके से संपत्तियां खरीदीं। आरोपी सिंगला और उसकी पत्नी कानून की कार्रवाई से बच रहे हैं, जिस कारण अदालत ने उन्हें भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया है।

सीएम मान द्वारा नई सहकारी सभाओं के गठन संबंधी पुरानी पाबंदियां हटाने का ऐलान

राज्य में सहकारी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से उठाया कदम, कहा- राज्य को जल्द मिलेगी अपनी सहकारी नीति

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने नई सहकारी सभाओं—जिनमें पीएसीएस, मिल्क सोसायटीज़ और लेबर सोसायटियां शामिल हैं—के गठन संबंधी पुरानी पाबंदियां हटा दी हैं। इसकी जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सहकारी लहर स्वैच्छिक संगठन, लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी और खुली पहुंच के सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि पंजाब में सहकारी क्षेत्र का विस्तार, मजबूती और इसे और अधिक समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है ताकि इसका सीधा लाभ किसानों, मज़दूरों और ग्रामीण समुदायों तक पहुंच सके। भगवंत सिंह मान ने बताया कि राज्य सरकार अपनी सहकारी नीति तैयार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य सहकारी सभाओं से ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को जोड़ना, भागीदारी के अवसर बढ़ाना और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका विशेष मकसद सहकारी सभाओं को पंजाब के ग्रामीण और आर्थिक विकास का केंद्रीय स्तंभ बनाना है। उन्होंने बताया कि यह पाया गया कि पुराने दिशा-निर्देश—जिनमें किसी क्षेत्र में पहले से सोसायटी होने पर नई सोसायटी का रजिस्ट्रेशन रोकना, कार्यक्षेत्र को सख्ती से परिभाषित करना और न्यूनतम दूरी (जैसे लेबर सोसायटियों के लिए 8 किलोमीटर) की शर्त लगाना—पंजाब सहकारी सभाएं अधिनियम, 1961 की भावना और सहकारी लहर की अवधारणा के विपरीत थे।

स्वच्छता हमारा श्रृंगार, संस्कृति और धर्म है : खट्टर

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 22 मार्केट में स्वच्छता ही सेवा - एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान अभियान मे भाग लिया। इस कार्यक्रम में अधिकारियों, नागरिकों, सफाई मित्रों सहित स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे स्वच्छ भारत के स्वप्न के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता दर्शाई गई। उस अवसर पर एक विशाल श्रमदान गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने आस-पास के वातावरण की सफाई की।

कार्यक्रम की शुरुआत एक सफाई कर्मचारी की बेटी को फलों की टोकरी भेंट करने के साथ हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि को सिग्नेचर वॉल तक ले जाया गया। पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए कपड़े के थैलों का वितरण अभियान भी चलाया गया। आवास एवं

स्वच्छता ही सेवा - एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान अभियान आयोजित

शहरी कार्य मंत्री ने सभी प्रतिभागियों को 'स्वच्छता की शपथ' भी दिलाई और उन्हें स्वच्छता और सतत जीवन के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में मनोहर लाल खट्टर ने स्वच्छ भारत मिशन की सफलता सुनिश्चित करने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वच्छता केवल एक सरकारी पहल नहीं है, बल्कि एक जन आंदोलन है जिसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। मंत्री महोदय ने इस बात पर जोर दिया कि जहाँ एक समय स्वच्छता कार्य को असामान्य माना जाता था या बहुत से लोग इससे बचते थे, वहीं आज माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह एक जन आंदोलन बन गया है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छता हमारा श्रृंगार, हमारी संस्कृति, हमारा स्वभाव, हमारा कर्म और हमारा धर्म है। उन्होंने आगे कहा कि स्वच्छता के बिना कोई भी उपलब्धि या विशेषज्ञता वास्तविक रूप से चमक नहीं सकती।

मंत्री ने प्रासंगिक उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह हम स्वाभाविक रूप से लोगों और अपने आस-पास की स्वच्छता के प्रति आकर्षित होते हैं, उसी तरह घरों, दुकानों, पार्कों, स्कूलों, अस्पतालों, सामुदायिक केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों में भी स्वच्छता के प्रति यही दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने सभी से स्वच्छता को एक दिन की गतिविधि के बजाय दैनिक अभ्यास बनाने का आग्रह किया। खट्टर ने समाज के सभी वर्गों—जिनमें नागरिक, व्यापारी, छात्र और यहाँ तक कि मीडियाकर्मी भी शामिल हैं—से स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया और याद दिलाया कि सच्चा बदलाव तभी आता है जब हर व्यक्ति पूरे मन से योगदान दे।

सरहद पार से तस्करी में शामिल 6 व्यक्ति चार किलो हेरोइन व दो पिस्तौल सहित गिरफ्तार

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों के ज़रिए पाकिस्तान के हैंडलर शाह के संपर्क में थे गिरफ्तार किए गए आरोपी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/अमृतसर

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सरहद पार से चल रहे बड़े नशा और हथियार तस्करी नेटवर्क के छह सदस्यों को 4.03 किलो हेरोइन और 2 अत्याधुनिक पिस्तौल के साथ गिरफ्तार कर गिरोह को निष्क्रिय कर दिया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान फिरोज़पुर के गांव मुल्ला रहीमा उतार निवासी जगीर सिंह उर्फ सुच्चा (35), फिरोज़पुर के गांव चाह बोहरिया निवासी अंग्रेज़ सिंह (20), तरनतारन के मस्तगढ़ निवासी गुरप्रीत सिंह (30), तरनतारन के मस्तगढ़ निवासी पलविंदर सिंह (35), फिरोज़पुर की घिननीवाला कैनाल कॉलोनी निवासी लखविंदर सिंह उर्फ लक्की (24) और फिरोज़पुर की नौरंग के स्याल कैनाल कॉलोनी निवासी बलजिंदर सिंह (42) के रूप में हुई है। बरामद पिस्तौलों में एक 9 एमएम ग्लॉक और एक .30 बोर पिस्तौल

शामिल है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित हैंडलर शाह के संपर्क में थे।

पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों लखविंदर और बलजिंदर से पूछताछ करने पर 1 किलो हेरोइन और बरामद हुई, जिससे कुल बरामदगी 4.03 किलो हो गई है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगियां होने की संभावना है। इस संबंध में पुलिस थाना गेट इस्लामाबाद अमृतसर में धारा 21(बी)(सी) और 29 एनडीपीएस एक्ट तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25(1) के तहत एफआईआर नंबर 286 दिनांक 21.09.2025 दर्ज किया गया है।

सैलरी का कुछ हिस्सा जरूर करें निवेश, क्यों महिलाओं के लिए जरूरी है बचत

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

पिछले एक दशक से फाइनेंशियल प्लानिंग के क्षेत्र में काम करने के दौरान मैंने निवेशकों के स्वभाव में कुछ खास तरह की आदतें देखी हैं। पैसे खर्च करने का उनका तरीका समझा, इस दौरान की जाने वाली सबसे ज्यादा गलतियां पहचानीं। इनमें से जिस चीज ने सबसे ज्यादा मेरा ध्यान खींचा, वह था देर से निवेश शुरू करने की आदत। दुर्भाग्य से इस आदत का खामियाजा पुरुषों की तुलना में महिलाओं को ज्यादा उठाना पड़ता है। शादी, प्रेग्नेंसी और जिंदगी में आने वाले कुछ अन्य अहम बदलाव महिलाओं की मजबूत आर्थिक स्थिति को भी कमजोर बना देते हैं। कौन-कौन सी स्थितियां महिलाओं की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक असर डालती हैं, आइए जानें :

आत्मविश्वास में आई कमी

पुनीता शादी के साल भर बाद अपने पति के करिअर को सपोर्ट करने के लिए भारत से अमेरिका शिफ्ट हो गई। नौकरी भी छोड़ दी। अब छह साल बाद वह एक बच्चे के साथ भारत लौटी है। 40 की उम्र में फिर से करिअर की शुरुआत करना किसी चुनौती से कम नहीं। पहले वाला आत्मविश्वास डगमगा चुका है। नौकरी के लिए आवेदन करने या बेहतर सैलरी के लिए बातचीत के लिए वह हिम्मत ही नहीं जुटा पा रही है।

आर्थिक सुरक्षा का भ्रम

अपने होने वाले ससुराल के शानो-शौकत को देखते हुए शादी तय होते ही काशवी ने नौकरी छोड़ दी। पर ससुराल की सारी शानो-शौकत छलावे से ज्यादा कुछ और नहीं थी। काशवी को शादी के बाद मालूम चला कि पति का करिअर कुछ खास नहीं। बचत करना उसने सीखा ही नहीं और घर के सारे खर्च की जिम्मेदारी ससुर पर है, जो खुद कुछ महीनों में रिटायर होने वाले हैं। अपनी प्रेग्नेंसी और बुजुर्ग हो रहे सास-ससुर की जिम्मेदारियों के बीच दोबारा नौकरी शुरू करने का विकल्प भी अब काशवी के पास नहीं है। अब इन आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के अलावा उसके पास कोई और विकल्प ही नहीं है।

40 के बाद नई शुरुआत

शादी, रिश्ते से जुड़ा कटु अनुभव, एक बच्चे का जन्म और तलाक के बाद 40 साल की साक्षी अपने अभिभावक के घर लौट आई है। अपने पिता के सहयोग से दोबारा नौकरी भी शुरू कर दी है। पर इस उम्र में फिर से शुरुआत का मतलब है वकील की फीस, लोन की किश्त और आर्थिक सुरक्षा का संपूर्ण अभाव। तलाक के बाद एकमुश्त मिला गुजारा-भत्ता इतना नहीं कि बच्चे की उच्च शिक्षा की जरूरतें पूरी हो सकें। साक्षी का अपने भाई के साथ भी रिश्ता बिगड़ रहा है, नतीजतन अब साक्षी को किराये का मकान लेकर अलग रहने का निर्णय लेना पड़ रहा है। पहले से मुश्किल आर्थिक स्थिति इस वजह से और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण बन गई है।

बनाइए अपना पावर फंड

ऊपर की ये तीन कहानियां भले ही अलग-अलग हैं, पर इन तीनों में एक बात कॉमन है : करिअर में बार-बार ब्रेक और निजी बचत की कमी। ये बाधाएं न सिर्फ महिलाओं के पैसे कमाने की क्षमता को प्रभावित करती हैं, बल्कि मानसिक रूप से उन्हें कमजोर भी बनाती हैं। उनके आत्मविश्वास को कमजोर कर देती हैं। कई बार उन्हें उनकी शैक्षणिक क्षमता से कमतर काम करने के लिए भी मजबूर होना पड़ता है। इस तरह की आर्थिक चुनौती से खुद को बचाने के लिए समय रहते तैयारी जरूरी है। बचत और निवेश का दमदार पोर्टफोलियो मुसीबत के समय में आपका सबसे भरोसेमंद साथी साबित हो सकता है। इससे न सिर्फ आपको भावनात्मक मजबूती मिलेगी, बल्कि किसी ऐसी स्थिति से निकलने का हौसला भी मिलेगा, जो आपके अनुरूप नहीं है। यह बचत आपको जिंदगी दोबारा शुरू करने का हौसला देगी और भविष्य के लक्ष्यों (जैसे बच्चे की उच्च शिक्षा, अपना घर या अपनी कार) को पाने की हिम्मत भी देगी। नौकरी के शुरुआती कुछ साल महिलाओं के लिए आर्थिक आजादी की मजबूत नींव डालने के लिए मुफीद होते हैं। इस वक्त जिम्मेदारियां कम होती हैं और बचत के मौके ज्यादा होते हैं, तो इस मौके का लाभ उठाइए और अपने भविष्य की सुरक्षा के लिए अपना पावर फंड तैयार करना शुरू कर दीजिए। छोटी-छोटी बातें इस काम में मददगार साबित होंगी :

Savings

महिलाएं पैसों से जुड़े मामलों से अक्सर दूर रहती हैं। पर पैसों के प्रति यह बेरुखी भविष्य में उनके लिए कई दफा परेशानी का सबब बन जाती है। क्यों जरूरी है कि आप अलग से बचत करें और अपना 'पावर फंड' बनाएं? बता रही हैं फाइनेंशियल...

- करिअर के शुरुआती सालों में अपनी सैलरी का 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा निवेश करें। उम्र बढ़ने के साथ आर्थिक जिम्मेदारियों में इजाफा होगा और फिर आपके लिए इतना निवेश करना संभव नहीं होगा।
- अपनी बचत का 80% हिस्सा म्यूचुअल फंड और शेयर मार्केट में निवेश करें।
- यहां महंगाई का असर कम पड़ता है। एसआईपी में हर माह निवेश करें। हर साल जैसे-जैसे आपकी आय में इजाफा हो, एसआईपी में निवेश किए जाने वाले पैसे की मात्रा भी उस लिहाज से बढ़ाएं।
- चक्रवृद्धि बढ़ोतरी का लाभ उठाएं। मसलन, 23 साल की उम्र में 10 हजार रुपए से शुरू किए गए एसआईपी को अगर न निकाला जाए तो 33 की उम्र में इसकी वैल्यू तीस लाख तक पहुंच जाएगी। बिना अतिरिक्त निवेश के यह रकम 38 साल की उम्र तक 48 लाख तक पहुंच जाएगी।
- चक्रवृद्धि बढ़ोतरी का लाभ उठाएं। मसलन, 23 साल की उम्र में 10 हजार रुपए से शुरू किए गए एसआईपी को अगर न निकाला जाए तो 33 की उम्र में इसकी वैल्यू तीस लाख तक पहुंच जाएगी। बिना अतिरिक्त निवेश के यह रकम 38 साल की उम्र तक 48 लाख तक पहुंच जाएगी।

PARENTING

बड़े हो रहे बच्चों ये 5 बातें कभी ना कहें मां-बाप, एक्सपर्ट बोलीं- 'लेकिन एहसास जरूर कराएं'

कई पैरेंट्स और बच्चों की बॉन्डिंग इसलिए भी कमजोर हो जाती है क्योंकि पैरेंट्स को उनसे ठीक तरह से कम्युनिकेट करना ही नहीं आता। पेरेंटिंग कोच ने ऐसी ही कुछ बातों का जिक्र किया है, जो बड़े हो रहे बच्चे से नहीं कहनी चाहिए।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

जैसे-जैसे बच्चे बड़े होने लगते हैं, पैरेंट्स की उनसे उम्मीदें भी बढ़ने लगती हैं। ऐसे में कई बार पैरेंट्स बच्चों पर जाने-अनजाने में इतना प्रेशर डाल देते हैं कि बच्चों का बचपन अचानक से छिन जाता है। ये बात ठीक है कि वो बड़े हो रहे हैं और उन्हें जिम्मेदार होने की जरूरत है। लेकिन ये बात उन्हें किस टोन में समझाई जा रही है, ये बहुत मायने रखता है। कई पैरेंट्स और बच्चों की बॉन्डिंग इसलिए भी कमजोर हो जाती है क्योंकि पैरेंट्स को उनसे ठीक तरह से कम्युनिकेट करना ही नहीं आता। पेरेंटिंग कोच ने ऐसी ही कुछ बातों का जिक्र किया है, जो बड़े हो रहे बच्चे से नहीं कहनी चाहिए। एक्सपर्ट कहती हैं कि आप बच्चे को इन बातों का अहसास जरूर कराएं लेकिन सीधे तौर पर कहने से बचें। आइए जानते हैं।

तुम बड़े हो, तुम्हें जिम्मेदार होना चाहिए

बड़े हो रहे बच्चे से पैरेंट्स अक्सर ये बात कह देते हैं, लेकिन इसका बच्चे के दिमाग पर नेगेटिव असर पड़ता है। बार-बार ये सुनकर बच्चा सोचने लगता है कि जैसे अब वो इतना बड़ा हो गया है कि उससे कोई गलती हो ही नहीं सकती। इससे बच्चों में एक अलगाव की भावना भी आ सकती है। पैरेंट्स को चाहिए कि बच्चे को समझाएं कि वो घर का जरूरी हिस्सा हैं और कैसे उनकी मदद बहुत मायने रखती है। इससे बच्चा बिना नेगेटिव भावना लिए हुए बातों को समझेगा।

हम तुमसे और ज्यादा उम्मीद रखते हैं

अपने बच्चे से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन बार बार बच्चे को ये याद दिलाना सही नहीं है। इससे कई बार बच्चा एंग्जाइटी, तनाव और अंडर कॉन्फिडेंस का शिकार भी हो सकता है। जरूरत से ज्यादा उम्मीदें बच्चे पर फालतू का दबाव बनाती हैं, जो उसकी ग्रोथ को रोकता है। इसकी जगह बच्चे की मेहनत को एप्रिशिएट करें और उसकी क्षमता में विश्वास दिखाएं।

तुम्हारा छोटा भाई/ बहन तुम्हें देखकर सीखता है, उसके लिए उदहारण बनो

घरों में भाई-बहनों के बीच ये बात अक्सर पैरेंट्स की जुबान पर होती है। बड़े बच्चे से अक्सर कहा जाता है कि अपने छोटे भाई-बहनों के लिए उदाहरण बनो, वो तुम्हें देखकर ही सीखते हैं। ऐसी बातें कहीं ना कहीं बच्चे पर एक्स्ट्रा दबाव बनाती हैं। इसकी जगह आप बच्चे से प्यार से कह सकते हैं कि कैसे उनकी छोटी-छोटी बातें भाई-बहनों के लिए इंस्पायरिंग होती हैं। कैसे उनका नेचुरली अच्छा बिहेवियर, उनके भाई-बहनों को मोटिवेट करता है।

तुम अब छोटे बच्चे नहीं हो, बच्चों की तरह बिहेव मत करो

आपकी ये बातें बच्चे के अंदर की मासूमियत को खत्म कर देती हैं। उसपर अचानक से आप बड़े होने का बोझ डाल देते हैं, जो उसके अंदर की मस्ती और उस छोटे बच्चे को खत्म कर देता है। आपको समझने की जरूरत है कि हर इंसान के अंदर एक छोटा बच्चा होना जरूरी है। बच्चे को दिल खोलकर मस्ती करने दें लेकिन उसे सिखाएं कि कब सीरियस होना है। इसी बैलेंस से लाइफ परफेक्ट चलती है।

तुम बड़े हो गए हो, तुम्हें मेरी और ज्यादा मदद करनी चाहिए

पैरेंट्स बच्चों से बड़ी कैजुअली ये बात कह देते हैं लेकिन बच्चे इसे बहुत गहरा ले जाते हैं। ऐसी बातें बच्चे के अंदर गिल्ट पैदा करती हैं, उसे लगने लगता है कि शायद वो किसी काम का नहीं है या एक अच्छा बच्चा नहीं है। कई बार बच्चा दबाव में भी आ जाता है। पैरेंट्स को चाहिए कि बच्चे से कहें कि क्या तुम मेरी मदद कर सकते हैं, मुझे बहुत खुशी होगी। इससे बच्चा खुशी-खुशी आपकी हेल्प करेगा और आगे के लिए भी सीखेगा।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

नवरात्रि में मां दुर्गा को लगाएं बादाम खीर का भोग, नोट करें टेस्टी रेसिपी

नवरात्रि के व्रत के दौरान चाहे मां दुर्गा को भोग लगाना हो या फिर फलाहार के लिए कोई रेसिपी करनी हो तैयार, खीर का प्रसाद जरूर बनाया जाता है। अगर आप भी अपनी खीर में स्वाद, श्रद्धा और सेहत तीनों...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

हिदुंओं के लिए शारदीय नवरात्रि 2025 का पर्व बेहद खास महत्व रखता है।

इस साल नवरात्र की शुरुआत 22 सितंबर से होगी। माता रानी के भक्त इन नौ दिनों में मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करके उन्हें उनका प्रिय भोग अर्पित करेंगे। नवरात्रि के व्रत के दौरान चाहे मां दुर्गा को भोग लगाना हो या फिर फलाहार के लिए कोई रेसिपी करनी हो तैयार, खीर का प्रसाद जरूर बनाया जाता है। अगर आप भी अपनी खीर में स्वाद, श्रद्धा और सेहत तीनों जोड़ना चाहते हैं तो ट्राई करें नवरात्रि स्पेशल बादाम खीर रेसिपी।

बादाम खीर बनाने के लिए सामग्री

- 2 कप फुल क्रीम दूध
- 1 कप मखाना
- ½ कप बादाम की कतरन
- 2 बड़े चम्मच घी
- चीनी स्वादानुसार
- चुटकीभर केसर के धागे
- ½ छोटा चम्मच हरी इलायची पाउडर

बादाम खीर बनाने का तरीका

बादाम खीर बनाने के लिए सबसे पहले एक भारी तले की कड़ाही में घी गर्म करके उसमें मखाने और बादाम की कतरन डालकर धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद दोनों चीजों को अलग रख दें। अब एक गहरे बर्तन में दूध और केसर डालकर दूध में उबाल आने तक उसे धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए पकाते रहें। इसके बाद दूध में चीनी डालकर अच्छी तरह घुलने दें। जब चीनी दूध में घुल जाए तो उसमें भुने हुए मखाने और बादाम की कतरन मिला दें। खीर में गाढ़ापन लाने के लिए इस मिश्रण को धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक मखाने नरम और दूध थोड़ा गाढ़ा न हो जाए। आपकी बादाम खीर बनकर तैयार है, इसे परोसते समय ऊपर से थोड़ा सा भुना मखाना और बादाम डालकर गार्निश करें।

बच्चों की फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए खतरनाक है स्क्रीन

जालंधर ब्रीज (फीचर) . पेरेंटल कंट्रोल का करें इस्तेमाल इंटरनेट सामग्री को ब्लॉक या फिल्टर करने के लिए पेरेंटल कंट्रोल का इस्तेमाल करें। बच्चे से नियमित रूप से पूछें कि उसने दिन में कौन-से प्रोग्राम, गेम और ऐप्स खेले हैं। बच्चे के साथ प्रोग्राम देखते समय उसके कंटेंट पर चर्चा करें और उन्हें विज्ञापनों के बारे में भी बताएं। तेज रफ्तार वाले प्रोग्राम, जिसे छोटे बच्चों को समझने में मुश्किल होती है, नहीं दिखाएं। हिंसक सामग्री व बहुत अधिक ध्यान भटकाने वाली सामग्री दिखाने वाले ऐप्स से बचें।

डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दें - बच्चे को स्क्रीन पर जो कुछ भी दिखाई देता है, उसके बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें खुद यह विचार करने के लिए कहें कि क्या इंटरनेट पर सब कुछ सही है या गलत भी है। क्या आपका बच्चा यह जानता है कि किसी वेबसाइट की विश्वसनीयता कैसे निर्धारित की जाए? अपने बच्चे को यह समझने में मदद करें कि स्क्रीन पर उपलब्ध कंटेंट अलग-अलग व्यक्ति अपने-अपने नजरिये से बनाता है, इसलिए कुछ कंटेंट खराब भी हो सकते हैं। वे सिर्फ पैसे कमाने के लिए गलत कंटेंट भी परोस सकते हैं।

उचित व्यवहार सिखाएं - यह जरूरी है कि आपका किशोर बच्चा ऑनलाइन दुनिया में सही व्यवहार करना जानता हो। उन्हें समझाएं क्या सही है और क्या नहीं। सेक्सटिंग और साइबर बुलीइंग से दूर रहना सिखाएं। निजी जानकारी ऑनलाइन साझा करने से मना करें। बच्चे को बताएं कि वह वर्चुअल वर्ल्ड में लोगों को ऑनलाइन कुछ भी ऐसा न भेजे, जिसकी वजह से बाद में परेशानी में फंसने की आशंका हो।

बड़े बच्चों के लिए सीमा निर्धारित करें - बच्चे के डिजिटल मीडिया के उपयोग के लिए स्पष्ट नियम और उचित सीमा निर्धारित करें। उन्हें इनडोर गेम के साथ-साथ आउटडोर गेम खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। कभी-कभी एक निश्चित घंटे तक घर को गैजेट फ्री जोन घोषित करें। ये घंटे वीकएंड पर आसानी से निकाले जा सकते हैं। भोजन के समय और रात में सोने से दो घंटे पहले न बच्चे को गैजेट इस्तेमाल करने दें न खुद इस्तेमाल करें। पढ़ाई खासकर होमवर्क के दौरान मनोरंजन के लिए रील या सोशल साइट के प्रयोग को प्रतिबंधित करें। विषय के कठिन टॉपिक को समझने के लिए उन्हें पहले खुद अपने दिमाग का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करें और बाद में चैट जीपीटी या एआई का। ऐसे ऐप्स का इस्तेमाल करने पर विचार करें, जो बच्चे द्वारा डिवाइस के इस्तेमाल की अवधि को नियंत्रित करते हैं।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

कोई दवाई नहीं, ये 1 सिंपल ट्रिक हटा सकती है आपकी **आंखों का चश्मा**

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

आजकल आपको हर दूसरे इंसान की आंखों पर चश्मा लगा हुआ दिख जाएगा। इनमें से ज्यादातर लोग वो हैं, जिन्हें थोड़ी दूर का भी साफ नहीं दिखाई देता। हैरानी तब होती है जब छोटे-छोटे बच्चे भी चश्मा लगाए मिलते हैं। अब इसकी कई वजह हो सकती हैं, लेकिन मोटे तौर पर खानपान, प्रदूषण, ज्यादा स्क्रीन टाइम इसके पीछे जिम्मेदार होते हैं। एक बार आँखें कमजोर हो जाएं, तो क्या फिर उनकी रोशनी इंप्रूव की जा सकती है? ये सवाल अक्सर बना रहता है। इसके लिए डॉक्टर कुलबीर जाखड़ ने वीडियो पोस्ट के जरिए सिंपल फॉर्मूला शेयर किया है, जो उनके मुताबिक आपका चश्मा भी हटा सकता है। आइए विस्तार में जानते हैं।

कोई दवा नहीं, ये सिंपल ट्रिक है असरदार

डॉक्टर कहते हैं कि ऐसी कोई मैजिकल आई ड्रॉप नहीं है, जो आपकी आंखों की रोशनी को बढ़ाए। लेकिन एक सिंपल ट्रिक आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। आयुर्वेद में इसे त्राटक क्रिया कहा गया है। इसमें थोड़ी देर तक एक ही बिंदु या मोमबत्ती की रोशनी पर नजरे टिका कर रखनी होती हैं। डॉक्टर अपने व्यक्तिगत अनुभव से बताते हैं कि ये क्रिया काफी असरदार है और नियमित रूप से करने पर आपके चश्मे भी हटा सकती है।

क्या है त्राटक करने का सही तरीका?

डॉक्टर कहते हैं कि त्राटक एक विशेष तरह की आई एक्सरसाइज है, जिसके फायदे आयुर्वेद में भी बताए गए हैं। इसके करने के लिए एक पेपर पर बिंदु बना लें। अब इसे अपने से लगभग 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रखें और लगातार देखें। आपको इस बिंदु को बिना पलके झपकाए एकटक देखते रहता है। डॉक्टर कहते हैं कि आपको कोशिश करनी है कि ज्यादा देर तक पलके नहीं झपकनी चाहिए। जैसे ही आप पलके झपका लेते हैं, एक्सरसाइज खत्म हो जाती है।

इन बातों का ध्यान रखें

Health

एक बार आँखें कमजोर हो जाएं, तो क्या फिर उनकी रोशनी इंप्रूव की जा सकती है? ये सवाल अक्सर बना रहता है। डॉक्टर ने सिंपल फॉर्मूला शेयर किया है, जो उनके मुताबिक आपका चश्मा भी हटा सकता है।

डॉक्टर कहते हैं कि ये एक्सरसाइज आपको नियमित रूप से करनी है। कई बार काफी लंबा समय भी लग सकता है लेकिन ये आंखों को बहुत फायदा करती है। आपको दिन में दो बार कम से कम ये क्रिया जरूर करनी चाहिए और लगभग दो मिनट के लिए। अगर आपकी आँखें ज्यादा कमजोर हैं, तो हो सकता है चश्मा ना उतरे लेकिन आंखों की रोशनी काफी हद तक इंप्रूव हो सकती है। इसके अलावा अपनी डाइट और स्क्रीन टाइम का भी ध्यान रखना ना भूलें।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आज 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय सिनेमा की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया। कलाकारों, गणमान्य व्यक्तियों और प्रशंसकों का यह समूह राष्ट्र के हृदय को आकार देने वाली कहानियों के एक ही भावनापूर्ण उत्सव से एकजुट था।

महान अभिनेता मोहनलाल को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने न केवल अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, बल्कि अपने बड़े कार्यों के माध्यम से भारत के सांस्कृतिक मूल्यों को भी अक्षुण्ण रखा है। राष्ट्रपति ने रंगमंच से सिनेमा तक के उनके शानदार सफर और महाभारत पर आधारित संस्कृत एकांकी नाटक कर्णभरम से लेकर वानप्रस्थम में उनके पुरस्कृत अभिनय तक, भारत की सांस्कृतिक विरासत के उनके शानदार चित्रण को याद करते हुए, उन्हें हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनका नाम गहरा सम्मान अर्जित करता है और पीढ़ी दर पीढ़ी दर्शकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है।

द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत में सिनेमा लोकतंत्र के सार और भारत की विविधता को दर्शाता है। जिस प्रकार अनेक भारतीय भाषाओं में साहित्य का विकास हुआ है, उसी प्रकार सिनेमा भी भारत की सांस्कृतिक समृद्धि की जीवंत अभिव्यक्ति के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि फिल्में न केवल मनोरंजन करती हैं बल्कि समाज को जागृत करने, संवेदनशीलता पैदा करने और युवाओं में जागरूकता फैलाने का माध्यम भी बनती हैं।

राष्ट्रपति ने सिनेमा में महिलाओं के बढ़ते प्रतिनिधित्व का उल्लेख किया और इस बात पर जोर दिया कि समान अवसर मिलने पर वे उत्कृष्टता प्राप्त कर सकती हैं और असाधारण सफलता प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने ऑन और ऑफ स्क्रीन महिलाओं की सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने बच्चों सहित युवा और उभरती प्रतिभाओं के योगदान की सराहना की, जो फिल्म उद्योग में रचनात्मकता और नवीनता ला रहे हैं। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वाले छह बाल कलाकारों को बधाई दी और सिनेमा में दिखाई जाने वाली पर्यावरण संबंधी चिंताओं के प्रति बढ़ती जागरूकता का स्वागत किया।

मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, अभिनेता ने फिल्म जगत को सम्मान दिया

जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मोहनलाल को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया, तो ऐसा लगा जैसे भारतीय

सिनेमा की व्यापक कहानी में एक महत्वपूर्ण मोड़ आ गया हो। श्री मोहनलाल एक ऐसा अभिनेता हैं जिन्होंने पर्दे पर हजारों जिंदगियों को जिया है: जैसे कॉलेज का एक शरारती लड़का, एक दुखी आम आदमी, एक करिश्माई सैनिक, एक त्रुटिपूर्ण नायक, एक अविस्मरणीय दोस्त। 360 से ज्यादा फिल्मों में, उन्होंने भारतीय और मलयालम सिनेमा को आकार दिया है और इसे दुनिया भर तक पहुँचाया है, दर्शकों को हँसाया है, रुलाया है और उन्हें सोचने पर मजबूर किया है। पद्म भूषण, पद्म श्री और पाँच राष्ट्रीय पुरस्कारों से पहले ही सम्मानित, यह क्षण प्रशंसा का नहीं, बल्कि एक राष्ट्र के सम्मान के साथ उभरने का था। जब विज्ञान भवन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा, मोहनलाल ने उसी विनम्रता के साथ, जो उनकी यात्रा की पहचान रही है, अपने दर्शकों और सहयोगियों के सामने झुककर प्रणाम किया। उस क्षण, तालियाँ सिर्फ एक अभिनेता के लिए नहीं थीं - बल्कि भारतीय सिनेमा की कहानियों, यादों और साझा भावनाओं के लिए थीं। पुरस्कार स्वीकार करते हुए, मोहनलाल ने सिनेमा में अपने सफर को आकार देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जिन भी फ़िल्मों में काम किया, उन पर उनका गहरा प्रभाव रहा और उन्हें एक माध्यम के रूप में सिनेमा की शक्ति का एहसास हुआ। पुरस्कार को "जादुई और पवित्र" बताते हुए, उन्होंने इसे मलयालम फिल्म उद्योग के दिग्गज कलाकारों को समर्पित किया और इस बात पर जोर दिया कि यह पूरे समुदाय के लिए है। उन्होंने कहा कि सिनेमा उनकी आत्मा की धड़कन है और इस सम्मान ने इस कला को और गहराई और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने के उनके संकल्प को और मजबूत किया है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने मोहनलाल को एक सच्चे दिग्गज के रूप में सम्मानित किया। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार ने वेव्स 2025 का वादा किया था और उसे पूरा भी किया, जो एक ऐसा मानक आयोजन है जो भारत को वैश्विक फिल्म और कंटेंट निर्माण में अग्रणी स्थान पर स्थापित करता है। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि दुनिया अब भारत की ओर कैसे देख रही है, उन्होंने कहा कि वेव्स बाजार जैसी पहल भारतीय रचनाकारों को व्यापक बाजारों तक पहुँचने में सक्षम बना रही हैं।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश का पहला अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) मुंबई स्थित एनएफडीसी परिसर में काम करना शुरू कर चुका है, जहाँ मेटा, एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल सहित प्रमुख वैश्विक साझेदारों के सहयोग से 17 पाठ्यक्रम पहले से ही चल रहे हैं। भारत को एक वैश्विक कंटेंट अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, श्री वैष्णव ने फिल्म उपकरणों के स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और लाइव कॉन्सर्ट अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए नीतियाँ बनाने के उद्देश्य को रेखांकित किया। अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा कि मॉडल स्टेट सिनेमा रेगुलेशन रूल्स तैयार किए जा रहे हैं, जो 2047 तक एक विकसित भारत के सरकार के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हैं, जिसमें क्रिएटर अर्थव्यवस्था इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने कहा कि सिनेमा कहानियों, सपनों और साझा अनुभवों का एक उत्सव है। इस वर्ष को एक महान वर्ष और कई वर्षों से अलग एक बताते हुए, उन्होंने आशुतोष गोवारिकर, पी. शेषाद्रि और गोपाल कृष्ण पई सहित जूरी सदस्यों की सराहना की और वेव्स समिट की सफलता को दोहराया, जिसमें सिनेमा, संगीत, गेमिंग और तकनीक को एक साथ लाया गया। उन्होंने "एक देश, हजारों कहानियाँ, एक जुनून" की भावना पर जोर दिया, जो भारत के जीवंत रचनात्मक इकोसिस्टम को दर्शाता है।

नरेन्द्र मोदी : राजनीतिक अभिजात वर्ग को चुनौती देने वाले जननायक

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत, मोदी और उनकी नेतृत्व शैली ज़मीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से ज़मीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त व्यवहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका करियर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है।

शिवराज सिंह चौहान
(केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री)

वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी का बचपन ज़िम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उन्होंने वंचित सहपाठियों के लिए पुरानी किताबें और वर्दियाँ इकट्ठा करने के अभियान भी चलाए, जो इस बात का प्रारंभिक संकेत था कि वह नेतृत्व को किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखते हैं। इन छोटे-छोटे प्रयासों ने उनके द्वारा सार्वजनिक जीवन में अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का पूर्वाभास करा दिया।

उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में और भी प्रखर हुईं, जहाँ साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदी ने बिल्कुल वैसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए, और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए, उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोज़मर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे, और इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए भी तैयार किया।

ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हज़ारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया, राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद, गुजरात में सूखे के दौरान, उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया और लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य का भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में, उन्होंने बिल्कुल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है।

इन शुरुआती घटनाओं ने जहाँ एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में, उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा। इस ज़मीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली।

इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा - गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, ज़मीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की। बाद में, विभिन्न राज्यों के प्रभारी के रूप में उन्होंने बूथ स्तर तक मज़बूत पार्टी तंत्रों का निर्माण किया। साल 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने पर उन्होंने ये सबक शासन में लागू किए। उदाहरण के लिए, पदभार ग्रहण करने के चंद घंटे बाद ही उन्होंने साबरमती में नर्मदा का जल लाने के विषय में एक बैठक बुलाकर इस बात का संकेत दिया कि निर्णायक कार्रवाई उनके प्रशासन को परिभाषित करेगी। उनका दृष्टिकोण शासन को एक जन आंदोलन बनाना था, जहाँ प्रवेशोत्सव ने स्कूलों में नामांकन को प्रोत्साहित किया, कन्या केलवणी ने बालिकाओं की शिक्षा का समर्थन किया, गरीब कल्याण मेलों ने कल्याण को नागरिकों तक पहुँचाया, और कृषि रथ ने कृषि सहायता को किसानों के खेतों तक पहुँचाया। नौकरशाहों को दफ्तरों से निकालकर कस्बों और गाँवों तक भेजा गया। उनका मानना है कि शासन लोगों तक वहाँ पहुँचे जहाँ वे रहते हैं, न कि केवल मीटिंग कक्षों तक सीमित रहे। उनके प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद गुजरात में किए गए प्रयोग राष्ट्रीय आदर्श बन गए। स्वच्छता अभियानों के उनके अनुभव ने स्वच्छ भारत मिशन का रूप लिया, जहाँ उन्होंने प्रतीकात्मकता को सामूहिक कार्रवाई में बदलने के लिए स्वयं झाड़ू उठाई। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना और अन्य पहल शीर्ष से शुरू किए गए कार्यक्रम नहीं थे, बल्कि जमीनी स्तर पर बिताए उनके वर्षों से प्राप्त सीखों पर आधारित जन-आंदोलन थे। इन्होंने जन-भागीदारी के उनके दर्शन को मूर्त रूप दिया, जहाँ शासन तभी कारगर होता है, जब नागरिक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न बने रहकर, स्वयं भागीदार बनें। मोदी जैसे नेता और जनता के बीच दशकों से विकसित इसी विश्वास ने आज के भारत में नीति को साझेदारी में बदल दिया है।

दशकों से, मोदी बैठकों में होने वाली बहसों से नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर जीवंत संपर्क की बदौलत लोगों की ज़रूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने के तरीकों को जानने की दुर्लभ सहज प्रवृत्ति प्रदर्शित करते आए हैं। यह प्रवृत्ति कठोर प्रशासनिक अनुभव के साथ मिलकर उनकी राजनीति को परिभाषित करती है।

मूलभूत रूप से, उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है।

महिलाएं : भारत की मौन शक्ति, जो हमें भविष्य की ओर ले जा रही हैं

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

जब हम अपने प्रधानमंत्री के जीवन के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो हमें उनकी यह प्रतिज्ञा याद आती है कि महिलाओं की पूरी भागीदारी के बिना भारत एक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता। उनका 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान एक गहरी सच्चाई को दर्शाता है:"अगर मां स्वस्थ रहती है तो पूरा घर स्वस्थ रहता है। अगर मां बीमार पड़ जाती है, तो पूरा परिवार बिखर जाता है।"यह मानना कि महिलाओं का स्वास्थ्य ही हमारे राष्ट्रीय प्रगति की नींव है, भारत की विकास यात्रा का मुख्य आधार है।

भारत की विकास गाथा के केंद्र में महिलाएं

महिलाएं सिर्फ इस यात्रा की भागीदार नहीं हैं, बल्कि इसकी असली संवाहक हैं। प्रयोगशालाओं, अस्पतालों, खेतों और बायोटेक स्टार्ट-अप्स में उनके मौन लेकिन प्रभावशाली कार्य हमारे भविष्य को गढ़ रहे हैं। उन 10 लाख आशा कार्यकर्ताओं के बारे में सोचें, जो भारत की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ हैं, जो अक्सर प्रकोप के दौरान सबसे पहले मदद पहुंचाती हैं या फिर आईसीएमआर, एनआईवी और एम्स की महिला वैज्ञानिकों पर विचार करें, जिन्होंने 2020 में SARS-CoV-2 वायरस को अलग करने में मदद की और भारत के स्वदेशी टीकों का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके कारण दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में 2 अरब से अधिक टीकाकरण किए गए।

डॉ. किरण मजूमदार-शॉ
(अध्यक्ष और प्रबंध , बायोकॉन लिमिटेड निदेशक)

भारत की 62.9% महिला कार्यकर्ता कृषि में हैं, और अब इनमें से कई को सूखा-रोधी व फसल सुरक्षा जैसे बायोटेक समाधान अपनाने का प्रशिक्षण दिया गया है।2 बायोटेक उद्यमिता में भी महिलाएं सस्ते डायग्नोस्टिक, जीनोमिक्स और वैक्सीन नवाचार जैसे क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स की अगुवाई कर रही हैं। ये कोई अकेली कहानियां नहीं हैं, ये भारत की नारी शक्ति का जीता जागता सबूत हैं।

नीतिगत और संस्थागत समर्थन

महिलाओं की क्षमता को उभारने में सरकारी पहल निर्णायक रही हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'मिशन शक्ति' तक, संसद में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने वाला ऐतिहासिक 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम हो, या प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया और जन धन योजना के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण- महिला-प्रधान विकास की मजबूत रूपरेखा तैयार हो चुकी है।

*54 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं, जिनमें लगभग 56% खाते महिलाओं के हैं। वित्तीय समावेशन का ऐसा स्तर दुनिया भर में शायद ही कभी देखा गया हो।3

*मुद्रा योजना के तहत 43 करोड़ ऋणों में से लगभग 70% ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं।

*नारी शक्ति वंदन अधिनियम जल्द ही यह सुनिश्चित करेगा कि संसद की एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों। जिससे नीति निर्माण में उनकी आवाज़ सुनिश्चित होगी।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार: वैश्विक संदर्भ में भारत

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीय महिलाएं सचमुच सितारों तक पहुंच रही हैं। इसरो में महिलाओं ने चंद्रयान-2 और मंगलयान जैसी मिशनों में निदेशक की भूमिका निभाई, जिससे भारत की अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभरती छवि सामने आई। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत, एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी के मामले में दुनिया में अग्रणी है:

* भारत में 43% एसटीईएम स्नातक महिलाएं हैं, जबकि अमेरिका में 34%, यूरोपीय संघ में 32% और ओईसीडी देशों में औसतन 33%

* फिर भी, वैज्ञानिक संस्थानों में केवल 19% वैज्ञानिक, इंजीनियर और टेक्नोलॉजिस्ट ही सीधे अनुसंधान और विकास से जुड़े हैं, जिससे यह ज़रूरी हो जाता है कि शिक्षा में मिली सफलता को कार्यस्थलों पर भी प्रतिनिधित्व में बदला जाए।

सरकार के बायोकेयर (BioCARe) और वाइज किरण (WISE-KIRAN) जैसे कार्यक्रमों ने करियर ब्रेक के बाद लौटीं महिला वैज्ञानिकों को फिर से नवाचार शुरू करने का अवसर दिया है। हाल ही में बीआईआरएसी ने 75 से अधिक महिला बायोटेक उद्यमियों को सम्मानित किया, जो नई पीढ़ी की महिला नेतृत्व का संकेत है। वैश्विक स्तर पर बायोटेक नेतृत्व पदों पर महिलाएं 20% से भी कम हैं, ऐसे में भारत की यह प्रगति विज्ञान उद्यमिता में समावेशिता के नए मानक तय कर सकती है।

भविष्य की ओर: अग्रणी महिलाएं

विज्ञान-आधारित विकास का भविष्य उन महिलाओं द्वारा गढ़ा जाएगा जो जीनोमिक्स, मॉलिक्युलर डायग्नोस्टिक्स, बायोलॉजिक्स और सटीक उपचार को आगे बढ़ाएंगी। वे जैव प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं, नियामक पारिस्थितिकी प्रणालियों और जमीनी स्तर के स्वास्थ्य वितरण नेटवर्क का नेतृत्व करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि किफायती चिकित्साएं दूर-दराज के गांवों तक भी पहुंचें। एक गैराज लैब से लेकर एक वैश्विक बायोलॉजिक्स कंपनी बनाने तक की मेरी अपनी यात्रा ने मुझे सिखाया है कि नवाचार केवल बोर्डरूम में ही जन्म नहीं लेता। यह जमीनी स्तर से जन्म लेता है और मेहनत व धैर्य से आगे बढ़ता है, चाहे वह तकनीशियन हो, शोधकर्ता (पोस्ट-डॉक) या स्वास्थ्यकर्मी। जब उन्हें अवसर और पहचान मिलती है, तो उनका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

भारत के लिए एक अहम मोड़

जैव प्रौद्योगिकी क्रांति, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा बनाए रखने और अंतरिक्ष व डिजिटल तकनीक के नए आयाम आने वाले दशकों में भारत की प्रगति को परिभाषित करेंगे। प्रधानमंत्री की दृष्टि स्पष्ट है: महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि इस भविष्य की सह-निर्माता के रूप में देखा जाना चाहिए।

आह्वान : अब समय आ गया है कि सभी क्षेत्रों में नेतृत्व यह सुनिश्चित करे कि महिला वैज्ञानिक, नर्सें, स्वास्थ्यकर्मी और उद्यमी पूरी तरह से दिखाई दें, उन्हें पर्याप्त संसाधन मिलें और वे पूरी तरह सशक्त हों। जब ऐसा होगा, तो भारत न केवल अपना वादा पूरा करेगा बल्कि दुनिया की उम्मीदों से भी आगे बढ़ जाएगा। क्योंकि हम सभी द्वारा निर्मित और महिलाओं के नेतृत्व वाला भविष्य अजेय होगा।

मालवा क्षेत्र को राज्य की राजधानी चंडीगढ़ से जोड़ने के लिए भारतीय रेलवे ने 443 करोड़ रुपए की राजपुरा-मोहाली 18 किलोमीटर रेल लाइन को मंज़ूरी दी

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पंजाब के लिए रेलवे की एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। पंजाब में लंबे समय से प्रतीक्षित राजपुरा-मोहाली नई रेल लाइन को मंजूरी दे दी गई है।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने आज यह घोषणा की। इससे पंजाब के लोगों की 50 साल से भी पुरानी मांग पूरी हो गई है।

इस 18 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन पर 443 करोड़ रुपये खर्च होंगे और यह मालवा क्षेत्र को राज्य की राजधानी चंडीगढ़ से सीधे जोड़ेगी।

नई लाइन के प्रमुख लाभ

सीधा संपर्क : पहले, लुधियाना से चंडीगढ़ पहुँचने के लिए ट्रेनों को अंबाला होकर जाना पड़ता था, जिससे दूरी अतिरिक्त लगती थी और समय भी बढ़ जाता था। अब राजपुरा और मोहाली के बीच सीधा संपर्क होगा, जिससे यात्रा की दूरी करीब 66 किलोमीटर कम हो जाएगी।

मालवा क्षेत्र के सभी 13 जिले अब चंडीगढ़ से अच्छी तरह जुड़ पाएँगे। इससे मौजूदा राजपुरा-अंबाला मार्ग पर यातायात आसान होगा और अंबाला-मोरिंडा लिंक छोटा हो जाएगा। सभी उपलब्ध विकल्पों में से, इस मार्ग को इसलिए चुना गया, क्योंकि इसमें कृषि भूमि के अधिग्रहण की ज़रुरत सबसे कम है, जिससे कृषि गतिविधियों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है।

आर्थिक प्रभाव : इस परियोजना से कपड़ा, विनिर्माण और कृषि सहित कई उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह पंजाब के कृषि क्षेत्र को प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों और बंदरगाहों से जोड़ने वाला एक व्यापक नेटवर्क तैयार करेगी, जिससे निम्नलिखित **सुविधाएँ प्राप्त होंगी :**

कृषि उपज की तेज़ आवाजाही

उद्योगों के लिए परिवहन लागत में कमी, जैसे राजपुरा थर्मल पावर प्लांट

धार्मिक स्थलों पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर संपर्क और पर्यटन की संभावनाओं में बढ़ोत्तरी

गुरुद्वारा फतेहगढ़ साहिब, शेख अहमद अल-फारुकी अल-सरहिंदी की दरगाह, हवेली टोडरमल, संघोल संग्रहालय आदि से संपर्क

नई वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा

एक नई वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा भी प्रस्तावित है जो निम्नलिखित को जोड़ेगी:

मार्ग: फिरोजपुर कैंट । भटिंडा । पटियाला। दिल्ली

सेवा : सप्ताह में 6 दिन (बुधवार को छोड़कर)

यात्रा समय: 6 घंटे 40 मिनट, 486 किमी की दूरी तय करेगी

आवृत्ति : सीमावर्ती जिले को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने वाली दैनिक सेवा

डॉ. किरण मजूमदार-शॉ
(अध्यक्ष और प्रबंध , बायोकॉन लिमिटेड निदेशक)

पंजाब में रिकॉर्ड रेलवे निवेश

2009-14 औसत : 225 करोड़ रुपये सालाना

2025-26 : 5,421 करोड़ रुपये सालाना

पिछली सरकार की तुलना में 24 गुना वृद्धि

2014 से अब तक की प्रमुख उपलब्धियाँ :

382 किलोमीटर नई पटरियों का निर्माण

1,634 किलोमीटर विद्युतीकरण - पंजाब अब 100% विद्युतीकृत

409 रेल फ्लाईओवर और अंडर-ब्रिज का निर्माण

वर्तमान परियोजनाएँ :

पंजाब में 25,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएँ क्रियान्वित की जा रही हैं

21,926 करोड़ रुपये की लागत से 714 किलोमीटर लंबी 9 नई ट्रैक परियोजनाएँ

1,122 करोड़ रुपये की लागत से 30 अमृत स्टेशनों का विकास किया जा रहा है

1,238 करोड़ रुपये की लागत से 88 आरओबी/आरयूबी (फ्लाईओवर/अंडरपास)

फिरोजपुर-पट्टी रेल लाइन सीमावर्ती जिलों और गुजरात के बंदरगाहों के बीच अहम संपर्क प्रदान करेगी। यह सेवा पंजाब के सीमावर्ती जिलों (अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर) को जोड़ने वाला एक आर्थिक गलियारा बनाएगी।

ये प्रमुख शहरों और अंत में गुजरात के बंदरगाहों से भी जुड़ेंगीं, जिससे रसद लागत में खासी कमी आएगी।

त्योहारों का मौसम : रिकॉर्ड रेल सेवाएँ

भारतीय रेलवे में अन्य प्रमुख नई जानकारियों का ऐलान करते हुए, श्री अश्विनी वैष्णव ने छठ और दीवाली के दौरान 12,000 विशेष रेलगाड़ियाँ चलाने की रिकॉर्ड व्यवस्था की भी घोषणा की:

विशेष रेल सेवाएँ :

पिछले वर्ष : 7,724 विशेष रेलगाड़ियाँ

इस वर्ष लक्ष्य : 12,000 विशेष रेलगाड़ियाँ

पहले ही अधिसूचित : 10,000 से अधिक फेरे

अनारक्षित रेलगाड़ियाँ : 150 रेलगाड़ियाँ शीघ्र परिचालन के लिए तैयार

अतिरिक्त : 50 और रेलगाड़ियाँ जल्द ही अधिसूचित की जाएँगी

यात्रियों की अधिकतम आवाजाही आमतौर पर 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच होती है और रेलवे इस भीड़ को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सेवा गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज यह भी बताया कि रेलवे परिचालन में पहले के मुकाबले खासा सुधार हुआ है और देश भर के 70 में से 29 रेलवे मंडलों में 90% से अधिक समयपालन दर हासिल की गई है। कुछ मंडल तो 98% से अधिक समयपालन दर के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं।

यह बेहतर बुनियादी ढाँचे, योजना और रेलवे नेटवर्क में सुचारू संचालन के कारण मुमकिन हो पाया है।

पटाखों की बिक्री के लिए अस्थायी दुकानों के लाइसेंस हेतु आवेदन की तारीख बढ़ाई

29 सितंबर तक जमा किए जा सकते है आवेदन

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर पुलिस (ऑपरेशन और सुरक्षा) विनीत अहलावत ने बताया कि पटाखों की बिक्री के लिए अस्थायी दुकानों के अस्थायी लाइसेंस प्राप्त करने हेतु आवेदन जमा करने की तारीख में दो दिन का विस्तार कर दिया है। उन्होंने बताया कि अब इच्छुक व्यक्ति 29 सितंबर 2025 को सुबह 9:30 बजे से शाम 4 बजे तक आवेदन पत्र जमा कर सकते है। उन्होंने आगे बताया कि पंजाब सरकार, उद्योग और वाणिज्य विभाग (तकनीकी शाखा) द्वारा जारी पत्र के अनुसार, 'द एक्सप्लोसिव नियम-2008' के तहत जिला मैजिस्ट्रेट द्वारा सीडब्ल्यूओपी नंबर 23548 ऑफ 2017 में जारी आदेशों का पालन करते हुए पटाखों की बिक्री के लिए 20 अस्थायी लाइसेंस ड्रॉ के माध्यम से जारी किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट जालंधर शहर के क्षेत्र में आने वाले निवासी, जिनकी आयु 18 वर्ष से कम नहीं है, जालंधर शहर में निर्धारित स्थान पर पटाखे बेचने के लिए अस्थायी दुकानों के अस्थायी लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अपने आवेदन पत्र पुलिस कमिश्नरेट जालंधर के असला लाइसेंसिंग शाखा से प्राप्त कर सकते है या पुलिस कमिश्नर जलंधर की वेबसाइट https://jalandhrcity.punjabpolice.gov.in से डाउनलोड करके 29 सितंबर 2025 को सुबह 9:30 बजे से शाम 4 बजे तक जमा कर सकते है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में ड्रॉ 8 अक्तूबर 2025 को दोपहर 12 बजे रेड क्रॉस भवन, जालंधर में निकाला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि माननीय सुप्रीम कोर्ट या माननीय पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट या सरकार द्वारा जारी आदेशों में किसी प्रकार का संशोधन/परिवर्तन होता है, तो उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पटाखा मार्किट बेअंत सिंह पार्क के लिए नई एनओसी जारी

जालंधर. नगर निगम द्वारा पटाखा मार्किट के लिए नई जगह बेअंत सिंह पार्क, इंडस्ट्रियल फोकल प्वाइंट के लिए जारी एनओसी के मद्देनजर डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल द्वारा पुलिस कमिश्नर जालंधर को पॉलिसी और नियम के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। नगर निगम की पहली एनओसी के अनुसार जालंधर में 2 अलग- अलग स्थानों पर पटाखा मार्किट लगाने के लिए जगह निश्चित की गई थी। अब नगर निगम द्वारा नई जगह बेअंत सिंह पार्क इंडस्ट्रियल फोकल प्वाइंट के लिए एनओसी जारी की गई है। इस एनओसी के अनुसार डिप्टी कमिश्नर द्वारा पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर पंजाब सरकार, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग (तकनीकी शाखा) पंजाब की पॉलिसी में दर्ज हिदायतों और एक्सप्लोसिव एक्ट एवं नियम 2008 के उपबंधों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

डिप्टी कमिश्नर ने नूरमहल के सीवरेज जल निकासी प्रोजैक्ट का लिया जायजा

राइजिंग मेन पाइप और सीवरेज मिसिंग लाइनों से संबंधित चल रही प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने नगर कौंसिल नूरमहल में सीवरेज के पानी की निकासी को उचित बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को एस.टी.पी. की राइजिंग मेन और सीवरेज मिसिंग लाइनों से संबंधित चल रही प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। यहां जिला प्रशासकीय परिसर में अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) जसबीर सिंह के साथ-साथ नगर कौंसिल नूरमहल और ग्रेटर लुधियाना डेवलपमेंट अथॉरिटी (गलाडा) के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने सीवरेज राइजिंग मेन पाइप और मिसिंग लाइनों के कार्य की ताजा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गलाडा के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित को ध्यान में रखते हुए राइजिंग मेन के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। साथ ही, उन्होंने सीवरेज मिसिंग लाइनों के कार्य से संबंधित लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा। पंजाब सरकार की स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए डा.अग्रवाल ने कहा कि शहर में लोगों को स्वच्छ परिवेश उपलब्ध करवाना जिला प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सीवरेज जल की उचित निकासी के लिए यह परियोजना बहुत महत्वपूर्ण है, जिसके पूरा होने से शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इस प्रोजैक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए सभी विभागों को आपसी ताल-मेल के साथ काम करने पर जोर देते हुए डीसी ने कहा कि यदि इस काम में कहीं कोई समस्या आती है, तो उसे उनके संज्ञान में लाया जाए, ताकि उसका जल्द समाधान किया जा सके।

बैठक में कार्यकारी इंजीनियर गलाडा राजेश महाजन, कार्यकारी अधिकारी नगर कौंसिल नूरमहल रणधीर सिंह, एस.डी.ओ. गलाडा जपसिमरन कौर, जे.ई. जल स्पलाई और सीवरेज मंडल जालंधर-2 दीपक कुमार भी मौजूद थे।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए डीसी को चैक सौंपा

हाल ही में आई बाढ़ के कारण प्रभावित लोगों की मदद के लिए जालंधर के वरिष्ठ नागरिक इंदरजीत सिंह गुलाटी ने आगे आकर डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल को मुख्यमंत्री रंगला पंजाब फंड के लिए 25 लाख रुपये का चैक सौंपा है। डिप्टी कमिश्नर ने गुलाटी के इस सहानुभूतिपूर्ण प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह योगदान बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में इस तरह के योगदान न केवल मुश्किल समय में लोगों को सहारा देते है, बल्कि समाज में दया, सहानुभूति और सहयोग की नई मिसालें भी स्थापित करते है।

सोलन में आपदा प्रबंधन, पोषण अभियान, बागवानी, महिला सशक्तिकरण पर वार्तालाप का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज.** शिमला

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आज हिमाचल प्रदेश के सोलन में आपदा प्रबंधन, पोषण अभियान, बागवानी, महिला सशक्तिकरण विषयों पर मीडिया कार्यशाला "वार्तालाप" आयोजित की गई। इसका उद्देश्य आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर सरकार और चौथे स्तंभ के बीच सार्थक संवाद और विचारों के उपयोगी आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था। वार्तालाप का शुभारंभ सोलन के उपायुक्त मनमोहन शर्मा ने किया।

मीडिया को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि आपदा प्रबंधन एक ऐसा क्षेत्र है, जो मीडिया के समाचारों में सनसनीखेज होने के कारण अनावश्यक रूप से प्रभावित हो सकता है। सोलन मीडिया की परिपक्व और संतुलित भूमिका की सराहना करते हुए उपायुक्त ने कहा कि मीडिया को लोगों को यह आश्वासन देने में भी योगदान देना चाहिए कि सरकार सक्रिय है तथा आपदा के समय कार्रवाई कर रही है। उपायुक्त ने बताया कि मीडिया के कारण ही बडी से बड़ी आपदा से निपटने और उसके प्रबंधन में मदद मिलती है। स्वच्छता अभियान का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता में मीडिया ने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के दिखाए मार्ग पर चल कर सभी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ना चाहिए : सुशील शर्मा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भारतीय जनता पार्टी जिला जालंधर के अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता प्रखर राष्ट्रवादी, महान विचारक और पथ प्रदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म दिवस स्थानीय दीनदयाल उपाध्याय नगर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर मालय अर्पणकर मनाया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य मनोरंजन कालिया, जालंधर शहर के पूर्व मेयर एवं भाजपा पंजाब प्रदेश के महामंत्री राकेश राठौर, जालंधर के पूर्व सांसद सुशील कुमार रिंकू, पूर्व संसदीय सचिव एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण देव भंडारी, भाजपा जिला जालंधर के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारी सदस्य रमन पब्बी, जिला महामंत्री अशोक सरीन हिकी, जिला उपाध्यक्ष मनीष विज, भगवंत प्रभाकर, अश्विनी भंडारी, जिला सचिव अमित भाटिया, गौरव महे, योगेश मल्होत्रा, अशोक चढा, अजमेर सिंह बादल, ललित यादव बब्बू, किशन लाल शर्मा, शालू कुमारी, दिनेश महेंद्रु, मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर भाजपा जिला जालंधर के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने आए हुए सभी कार्यकर्ताओं को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के बताए हुए मार्ग पर चलकर और उनके दिए गए प्रेरणा स्रोतों से शिक्षा लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

मुख्य चुनाव अधिकारी पंजाब के सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स को अधिक से अधिक फॉलो करें : डिप्टी कमिश्नर

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला निर्वाचन अधिकारी आशिका जैन ने जिला वासियों को अपील की है कि वे मुख्य चुनाव अधिकारी, पंजाब के सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स को अधिक से अधिक फॉलो करें ताकि चुनाव आयोग से संबंधित गतिविधियों और निर्देशों की समय-समय पर सही जानकारी सभी तक पहुंच सके। उन्होंने बताया कि मुख्य चुनाव अधिकारी, पंजाब की ओर से फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर आधिकारिक अकाउंट बनाए गए हैं, जिनके लिंक https://www.facebook.com/TheCEOPunjab/, https://x.com/TheCEOPunjab, https://www.instagram.com/theceopunjab/ और https://www.youtube.com/@TheCEOPunjab हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव अधिकारी, पंजाब की पहल के तहत जिले में सभी ई.आर.ओज को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधीन कार्यरत सहायक स्वीप नोडल अधिकारियों, बी.एल.ओ. सुपरवाइज़रों और बी.एल.ओज़ को इन प्लेटफ़ॉर्म्स को फॉलो करने के लिए प्रेरित करें और इसकी पुष्टि के लिए संबंधित सुपरवाइज़रों से अंडरटेकिंग प्राप्त कर 29 सितंबर सुबह 10 बजे तक जिला चुनाव कार्यालय को रिपोर्ट भेजें।

इसके साथ ही जिला स्वीप नोडल अधिकारी व नोडल अधिकारी इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब्स को भी निर्देशित किया गया है कि जिले के स्कूलों और कॉलेजों में स्थापित इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब्स के माध्यम से विद्यार्थियों को इन सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स को फॉलो करने के लिए जागरूक किया जाए ताकि युवाओं में चुनावी साक्षरता बढ़ाई जा सके।

केंद्रीय संचार ब्यूरो, जालंधर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत श्रमदान का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

केंद्रीय संचार ब्यूरो, जालंधर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने देवी सहाय एस.डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जालंधर में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत श्रमदान का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य स्वच्छता, स्वस्थ पर्यावरण और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम केंद्रीय संचार ब्यूरो, जालंधर द्वारा सहायक निदेशक राजेश बाली के नेतृत्व में आयोजित किया गया था और विभाग के क्षेत्रीय प्रचार सहायक गुरकमल सिंह और प्रमोद ठाकरान ने इस अभियान में भाग लिया और कार्यक्रम की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाया। अभियान की शुरुआत में, सभी प्रतिभागियों को स्वच्छ भारत की शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने स्वच्छता और मिशन के उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस स्वच्छता अभियान में, स्कूल के आसपास के क्षेत्र की सफाई की गई, जहाँ छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, कचरा एकत्र किया और उसका उचित निपटान सुनिश्चित किया। विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व, स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों और स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने में व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए, स्कूल के प्रिंसिपल संजय शर्मा ने बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने और अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

लायलपुर खालसा कॉलेज की छात्रा ने अखिल भारतीय थल सेना शिविर में 2 पंजाब एनसीसी बटालियन का प्रतिनिधित्व किया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

लायलपुर खालसा कॉलेज, जालंधर में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा, अंडर ऑफिसर समृद्धि कौशल ने नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित अखिल भारतीय थल सेना शिविर में भाग लेकर संस्थान और जिले का नाम रोशन किया। उन्होंने इस विशिष्ट शिविर के लिए पूरी 2 पंजाब एनसीसी बटालियन से चुनी गई एकमात्र कैडेट होने का अनूठा गौरव प्राप्त किया।

थल सेना शिविर राष्ट्रीय कैडेट कोर के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से एक है। यह कैडेटों को नेतृत्व, अनुशासन, सहनशक्ति और सैन्य कौशल का कठोर प्रशिक्षण प्रदान करता है, और इसे पूरे भारत के एनसीसी कैडेटों के लिए उत्कृष्टता की सच्ची परीक्षा माना जाता है। इस शिविर में भाग लेना न केवल गर्व की बात है, बल्कि उत्कृष्ट प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प का भी प्रतीक है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर, कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विनोद जोशी ने समृद्धि को बटालियन स्मारिका और प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। उन्होंने उनके समर्पण, ईमानदारी और कड़ी मेहनत की प्रशंसा की।

कृषि विज्ञान केंद्र में करवाया गया 'मुर्गी पालन' का व्यवसायिक प्रशिक्षण कोर्स

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) और आईसीएआर-अटारी, जोन-1, लुधियाना के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), कपूरथला में 15 सितंबर 2025 से 24 सितंबर 2025 तक "मुर्गी पालन" पर 7 दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण कोर्स आयोजित किया गया। इसमें 12 किसान भाइयों/किसान बहनों और युवाओं ने भाग लिया।

केवीके कपूरथला के प्रभारी डा.हरिंदर सिंह ने कृषि में सहायक व्यवसाय के तौर पर मुर्गी पालन की महत्ता पर प्रकाश डाला और प्रशिक्षुओं को आय व रोजगार सृजन के लिए इस व्यवसाय को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों से के.वी.के. द्वारा दी जा रही सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील भी की। सहायक प्रोफेसर (पशु विज्ञान), केवीके, अमृतसर, डा. कंवरपाल सिंह ढिल्लों ने कोर्स को-आर्डिनेटर के तौर पर काम किया और किसानों को घरेलू या व्यावसायिक स्तर पर वैज्ञानिक ढंग से मुर्गी पालन करने के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। इसमें विश्वविद्यालय में उपलब्ध पोल्ट्री नस्लों, अंडों की हैचिंग और हैचरी प्रबंधन, चूजों का पालन-पोषण, आवास और उपकरण, खुराक प्रबंधन, मुर्गियों/ब्रायलर का पालन प्रबंधन, बैकयार्ड मुर्गी पालन, अंडों का विपणन, मुर्गी पालन की अर्थव्यवस्था, मुर्गीखाने का रिकॉर्ड रखना, टीकाकरण कार्यक्रम, गर्मी और सर्दी के अनुसार प्रबंधन, पोल्ट्री फार्म में बायोसिक्योरिटी उपाय, मुर्गियों की बीमारियां और उनकी रोकथाम शामिल थे।

स्वस्थ फेफड़े स्वस्थ जीवन : सिविल सर्जन

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

स्वास्थ्य विभाग, जालंधर द्वारा सिविल सर्जन (कार्यकारी) डॉ. रमन गुप्ता और मेडिकल सुपरिंटेंडेंट (कार्यकारी) डॉ. सतिंदर बजाज की अगुवाई में 'विश्व फेफड़े दिवस' पर टीबी और अन्य फेफड़ों की बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इसी क्रम में जिला टीबी केंद्र में जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। डॉ. रमन गुप्ता ने कहा कि विश्व फेफड़े दिवस हर साल 25 सितंबर को दुनियाभर में फेफड़ों की बेहतर सेहत के प्रति समर्पित जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस साल 2025 में इसे "स्वस्थ फेफड़े, स्वस्थ जीवन" थीम के तहत मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शरीर में अक्सर सांस फूलना, पुरानी खांसी, घबराहट, थकान या कमज़ोरी जैसे लक्षण फेफड़ों की समस्या का संकेत हो सकते हैं। डॉ. गुप्ता ने कहा कि वायु प्रदूषण, धूम्रपान और जहरीले धुएं के कारण फेफड़ों की बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने लोगों को "स्वस्थ फेफड़े, स्वस्थ जीवन" का संदेश देते हुए कहा कि योग, नियमित व्यायाम, पौष्टिक आहार और प्रदूषण से बचाव जैसी जीवनशैली अपनाकर फेफड़ों की सेहत को बेहतर बनाया जा सकता है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चंडीगढ़ में कविता एवं भजन प्रतियोगिता आयोजित

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग), पंजाब राज्य कार्यालय, चंडीगढ़ एवं राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर 11, चंडीगढ़ हिंदी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में 24 सितंबर को आयोजित हिंदी पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत 'कविता एवं भजन गायन' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. जगजीत कुमार उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए राजभाषा हिंदी के प्रति अपने प्रेम को कविता एवं भजन के माध्यम से प्रस्तुत किया। राघव शर्मा (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साक्षी (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने द्वितीय स्थान, हर्षिता (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विकास एवं पीयू ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. बबीता एवं डॉ. एकता सम्मिलित रहीं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का ऐलान गिल कप्तान व जडेजा बने उप-कप्तान

स्पोर्ट्स डेस्क. अगले महीने से शुरू होने वाली भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया की टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज का पहला मैच 2 अक्तूबर से खेला जाना है। वहीं दूसरा टेस्ट 10 अक्तूबर को होना है। वहीं इस सीरीज के लिए टीम इंडिया में कई बदलाव हुए हैं। जहां टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपी गई है वहीं रवींद्र जडेजा को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। सीरीज के लिए अक्षर पटेल की वापसी हुई है जो इंग्लैंड दौरे से बाहर थे। वहीं करुण नायर का पत्ता कट गया है। इसके अलावा श्रेयस अय्यर को इस सीरीज के लिए सेलेक्ट नहीं किया गया है। क्योंकि उन्होंने बीसीसीआई से 6 महीने का रेड बॉल क्रिकेट से लंबा ब्रेक लिया है।

फोटो-बीसीसीआई

अजीत अगरकर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया से करुण नायर और शार्दुल ठाकुर को ड्रॉप किया है। बता दें कि ये दोनों खिलाड़ी टीम में शामिल थे। अभिमन्यू ईश्वरन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया। इस दौरान अजीत अगरकर ने बताया कि ऑलराउंडर अक्षर पटेल और टॉप ऑर्डर बैटर देवदत्त पडिक्कल की वापसी हुई है। अक्षर ने आखिरी टेस्ट भारत के लिए 2024 फरवरी में खेला था, जबकि पडिक्कल ने 2024 नवंबर के महीने में टीम के लिए आखिरी टेस्ट मैच खेला था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया : शुभमन गिल (कप्तान), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नारायण जगदीशन।

आईआईटी रोपड़ द्वारा एमआईईटी में अपने पहले सीपीएस लैब का शुभारंभ

• **जालंधर ब्रीज.** रोपड़/चंडीगढ़

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के राष्ट्रीय मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (एनएम-आईसीपीएस) द्वारा समर्थित अपना 17वां साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (सीपीएस) लैब मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी), जम्मू में गर्वपूर्वक उद्घाटित किया। यह आयोजन अकादमिक संस्थानों में सीपीएस तकनीकों के उन्नत अनुसंधान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक सहयोगात्मक मिशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जम्मू, जो माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह जी का संसदीय क्षेत्र है, में CPS लैब का उद्घाटन एनएम-आईसीपीएस के तहत एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह भारत को सीपीएस-आधारित नवाचार, उन्नत अनुसंधान और अगली पीढ़ी के कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की सरकार की दूरदृष्टि को सुदृढ़ करता है। स्वागत भाषण प्रो. अंकुर गुप्ता, निदेशक, एमआईईटी द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने उभरती तकनीकों के माध्यम से छात्रों और संकाय को सशक्त बनाने में ऐसे रणनीतिक सहयोग की महत्ता पर बल दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी रोपड़ टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन के चीफ इनोवेशन ऑफिसर डॉ. मुकेश सी. केस्टवाल उपस्थित रहे। उनके साथ एमआईईटी के प्रो. साहिल सहनी (डीन स्ट्रैटेजी एवं क्वालिटी एश्योरेंस), प्रो. देवनंद पाढ़ा (डीन अकादमिक अफेयर्स), और डॉ. सुरभि शर्मा (प्रमुख, ईसीई विभाग) भी मौजूद रहे। अपने मुख्य वक्तव्य में डॉ. केस्टवाल ने सीपीएस तकनीकों तक लोकतांत्रिक पहुंच, नवाचार-प्रेरित विकास और भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

सीपीएस लैब की स्थापना के अतिरिक्त, आईआईटी रोपड़ जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के स्टार्टअप्स को अपने नवाचार और इनक्यूबेशन कार्यक्रमों के तहत सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.